

## सौर ऊर्जा से गन्ने के बीज को करें रोगमुक्त

एनएसआई के विशेषज्ञों ने तैयार की सोलर शुगर केन सीड ट्रीटमेंट यूनिट

अमर उजाला ब्यूरो

कानपुर। गन्ने के बीज को रोगमुक्त करने के लिए अब बिजली की जरूरत नहीं पड़ेगी। सौर ऊर्जा के माध्यम से भी शुगर केन सीड ट्रीटमेंट यूनिट का संचालन हो सकेगा। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) के विशेषज्ञों ने इसे तैयार किया है। 500 किलो तक गन्ने के बीज को ट्रीटमेंट देने के लिए करीब डेढ़ लाख रुपये का प्लांट लगेगा।

सोमवार को इस यूनिट का मंडलायुक्त सुभाष चंद्र शर्मा ने शुभारंभ किया। उन्होंने एनएसआई के विशेषज्ञों को इसके लिए बधाई दी। कहा कि एनएसआई का यह नया यूनिट इस क्षेत्र में बेहतरीन इन्वोल्यूशन है। एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र



सोलर शुगर केन सीड ट्रीटमेंट यूनिट की जानकारी करते मंडलायुक्त सुभाष चंद्र शर्मा।

मोहन ने बताया कि गन्ने के बीज को रोगमुक्त करने के लिए उसे हॉट वाटर ट्रीटमेंट दिया जाता है। मतलब गन्ने के बीज को तेज गर्म पानी में दो से ढाई घंटे तक रखा जाता है। इससे गन्ने के सभी रोग दूर हो जाते हैं। इस काम के लिए

अभी तक बिजली की ज्यादा खपत होती थी। अब सोलर यूनिट से इस खपत को समाप्त किया जा सकता है। प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि इस तकनीक को कोई भी किसान एनएसआई से हासिल कर सकते हैं।

## शर्करा संस्थान ने विकसित किया 'सोलर गन्ना बीज शोधन संयंत्र'

सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान ने गन्ना बीज शोधन के लिए 'सोलर शुगरकेन सीड ट्रीटमेंट' संयंत्र विकसित किया है। मंडलायुक्त कानपुर सुभाष चंद्र शर्मा ने सोमवार को संस्थान में उक्त संयंत्र को लोकार्पित किया। मंडलायुक्त के हाथों संस्थान के नवनिर्मित अत्याधुनिक सेमिनार हॉल का उद्घाटन भी कराया गया। इस मौके पर मंडलायुक्त ने गन्ना उत्पादन बढ़ाने की यंत्रीकरण के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि उत्पादन बढ़ाने के प्रयास इसलिए भी जरूरी हैं कि भविष्य में गन्ना उत्पादन क्षेत्र में बढ़ोतरी को संभावना कम ही है।

गन्ना बीज शोधन के लिए उक्त प्रायोगिक इकाई का विकास संस्थान के सहायक आचार्य विनय कुमार, संजय चौहान व अशोक कुमार ने संयुक्त रूप से संस्थान के कृषि फार्म एवं प्रायोगिक चीनी मिल में लंबे परीक्षणों के

लोकार्पण करने पहुंचे मंडलायुक्त ने की गन्ना उत्पादन क्षेत्र में यंत्रीकरण की सराहना



राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में सोलर पैनल यूनिट का उद्घाटन करते मंडलायुक्त।

फोटो - एसएनबी

उपरान्त किया है। विनय कुमार ने बताया कि इस इकाई में स्वताप नियंत्रक के विकास की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है, जिससे

उष्मा की हानि और कम की जा सकेगी, लेकिन संयंत्र को लागत और बढ़ जाएगी।

अच्छी फसल के लिए स्वस्थ बीज जरूरी : निदेशक

संस्थान के निदेशक प्रो.नरेंद्र मोहन ने इस अवसर पर कहा कि गन्ने की अच्छी फसल के लिए स्वस्थ बीज बहुत ही आवश्यक है और यह तभी होगा जब बीज को खास तरीके से शोधित कर रोगमुक्त किया जाए। इससे गन्ने की उत्पादकता बढ़ने के साथ ही किसानों की आय भी बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि 'उष्ण जल तकनीक' से भी गन्ने के बीज को शोधित किया जाता है। बीज को लगभग 50-53 डिसे तापमान पर दो-ढाई घंटे रखा जाता है। इससे गन्ने की कई बीमारीयें दूर उपचार हो जाता है। परंपरागत बीज शोधन इकाइयों के विद्युत से संचालित होने के कारण इनका उपयोग सीमित होता है। संस्थान द्वारा विकसित सौर ऊर्जा संचालित गन्ना शोधन इकाई सूर्य की रोशनी के सहारे

संतोषजनक रूप से काम करती है। उन्होंने कहा कि यह प्रायोगिक इकाई अभी केवल प्रदर्शन हेतु है।

# NSI develops solar sugarcane seed treatment unit

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

The 'Solar Sugarcane Seed Treatment Unit' developed by National Sugar Institute was released here on Monday by the Divisional Commissioner, Subhash Chandra Sharma. The pilot unit has been developed by the Assistant Professors Vinay Kumar and Sanjay Chauhan Sugar Engineers and Dr. Ashok Kumar, Assistant Professor of Agriculture Chemistry after a series of experiments conducted over a year at the institute sugar factory and farm. Complimenting the institute for developing such innovative unit, Commissioner said 'Although due to continuous efforts in farm mechanisation and varietal change, the sugarcane productivities have improved in the state of Uttar Pradesh but still lot is required to be carried out to attain sugarcane yields been obtained by some other sugar producing countries like Columbia, Brazil and Australia. The sugarcane yields differ to a great extent even across the various states in the country and necessity of having adequate infrastructural facilities for seed treatment must be realised to have good germination and higher sugarcane yields. This is essential to cope up requirement in future as the area under sugarcane is not expected to increase further.'

Speaking on the occasion, Prof Narendra Mohan, Director said, 'Good health of seed is essential for a good crop and thus only a properly treated disease free sugarcane seed is required to be used to attain higher yields which in turn will



Divisional Commissioner, SC Sharma displaying the solar sugarcane seed treatment unit at NSI on Monday.

enhance the farmers income. 'Hot Water Treatment' is one such technique in which the sugarcane sets to be planted are to be kept in hot water at around 50-52 deg. C for 2-2 1/2 hours for taking care of many seed born diseases e.g. Red Rot, Wilt, Cokkah Boeng.

The conventional units are based on heating water through hydel power (electricity) and thus their use becomes limited either for want of electricity supply at the farmers field or being difficult to manage having high operational and maintenance cost.

The Solar Sugarcane Seed Treatment Unit is free from all such drawbacks and thus can work satisfactorily during sunshine. Although we do not

have required infrastructure and staff well versed with it, but looking to the magnitude of the problem we decided to go ahead in the matter of our own, and this pilot unit is just to exhibit the concept for future development, Director added.

Describing the details of developed unit, Shri Vinay Kumar, Assistant Professor Sugar Engineering said, 'we are further working on it so as to have auto temperature control and suitable lagging to minimise heat loss although it will cost some more and to work out designs of various capacities as the existing one is a small step in this direction.' Earlier, Commissioner also inaugurated the newly constructed sem-

inar room of the institute which has all the modern audio-visual facilities.

It was a long felt requirement to organise customised training programmes, overseas training programmes and also to conduct seminars and workshops on many important issues relating to sugar and alcohol industry, Dr Jahar Singh, Officer Incharge (Education) said. We are going to have a week long training programme for the Party Group of Companies next month in which the senior staff including the Managing Director of the group will be participating, he added. Ashok Garg, Assistant Professor of Sugar Technology was also present.

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान ने सौर ऊर्जा पर आधारित सोलर शुगर केन सीड यूनिट तैयार की

# सूरज की किरणों से रोग मुक्त होगा गन्ने का बीज

एनएसआई

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) ने गन्ने के बीज को रोग मुक्त करने के लिए सौर ऊर्जा पर आधारित सोलर शुगरकेन सीड यूनिट तैयार की है। इस यूनिट में 52 डिग्री सेल्सियस तापमान पर पानी गर्म होगा। उसमें ढाई से तीन घंटे बीज रखकर रोगों से दूर किया जा सकता है।

उन्नत तकनीक से बनी यूनिट का शुभारम्भ मंडलायुक्त सुभाष चन्द्र शर्मा ने किया। अभी तक गन्ने के बीज को केमिकल में शोधित किया जा रहा है जो कम असरकारी है और उससे नुकसान अधिक है। साथ ही महंगा भी पड़ता है। यूनिट को किसान अपने खेतों में ले जा सकेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि किसान अपने साथ-साथ दूसरे कृषकों की भी मदद कर सकते हैं।

विशेषज्ञों के मुताबिक इस तकनीक से शोधित बीज से गन्ने की उपज और क्वालिटी बेहतर होगी। सबसे अच्छी बात यह है कि महंगे केमिकल से बचा जा



सोमवार को शर्करा संस्थान में सोलर पर आधारित यूनिट का शुभारम्भ करते मंडलायुक्त

बीज से होने वाली बीमारियों से लड़ाई आसान: निदेशक

गन्ने के प्रति हेक्ट्टर उत्पादकता कैसे बढ़ाई जाए? इस दिशा में यह सीड यूनिट अहम भूमिका निभाएगी। सीड से होने वाली बीमारियों से लड़ना किसानों के लिए काफी कठिन होता है इससे बड़ी राहत मिलेगी। विश्व स्तरीय तकनीक से इसे तैयार किया गया है। जो गैर परम्परागत ऊर्जा स्रोतों पर निर्भर होगा। भविष्य में इसे और बेहतर और सरसता बनाया जाएगा।

- प्रो. नरेन्द्र मोहन, निदेशक राष्ट्रीय शर्करा संस्थान

सकता है। इसका अंकुरण भी समय से होगा। इसके साथ ही मंडलायुक्त ने संस्थान में एक हाईटेक सेमिनार हॉल का

भी शुभारम्भ किया। विनय कुमार सहायक आचार्य, शिक्षा प्रभारी जाहर सिंह आदि रहे।

## विशेषता

- 500** किलोग्राम बीज एक साथ शोधित कर सकते हैं
- 2.30** घंटे गन्ने के बीज को यूनिट में रखना होगा
- 1.50** 1.50 लाख रुपए में किसानों को उपलब्ध होगा
- 050** से 52 डिग्री सेल्सियस तापमान पर गर्म होगा पानी

## बोले वैज्ञानिक

गन्ने में रेड रॉट डिजीज, बिल्ट डिजीज और कोका बोइंग डिजीज से खासा नुकसान हो रहा है। गैर परम्परागत ऊर्जा स्रोतों से पानी में शोधित बीज से गन्ने का बेहतर अंकुरण होगा। शोधन के लिए किसी तरह के केमिकल की जरूरत नहीं होगी।

इस तकनीक को विकसित करने के लिए संस्थान के वैज्ञानिकों को बधाई। उत्तर प्रदेश में गन्ने का उत्पादन विगत वर्षों में काफी बढ़ा है मगर कोलम्बिया, ब्राजील व आस्ट्रेलिया की तुलना में उत्पादकता कम है। इसे बढ़ाने के लिए चारों ओर से प्रयास होने चाहिए। इसमें संशोधन की भूमिका भी अधिक है। नई सीड यूनिट किसानों की मददगार होगी।

- सुभाष चन्द्र शर्मा मंडलायुक्त कानपुर

## सोलर शुगरकेन सीड ट्रीटमेंट से गन्ने की पैदावार बढ़ाने की तैयारी

» एनएसआई की न्यू टेक्नोलॉजी से गन्ना किसानों को मिलेगी राहत, बिजली की खपत नहीं होगी



kanpur@next.co.in

**KANPUR (23 April):** गन्ने के बीज की क्वालिटी बेहतर करने के लिए उसे 50 डिग्री से ऊपर के टेम्प्रेचर पर तीन घंटे तक रखा जाता है। लेकिन, इस प्रॉसेस को हर किसान नहीं कर पाता है। लेकिन, एनएसआई ने सोलर शुगरकेन सीड ट्रीटमेंट टेक्नोलॉजी डेवलप कर ली है जिसकी मदद से किसान आसानी से बीज की क्वालिटी बेहतर कर गन्ने का प्रोडक्शन बढ़ा सकते हैं। इस टेक्नोलॉजी में बिजली की खपत नहीं होगी। सोलर सिस्टम पर ही पूरी टेक्नोलॉजी डेवलप की है।

### किसानों की इनकम बढ़ेगी

डायरेक्टर प्रो नरेन्द्र मोहन अग्रवाल ने बताया कि जब तक बीज की क्वालिटी अच्छी नहीं होगी तब तक किसान को अच्छा उत्पादन नहीं मिलेगा। इंस्टीट्यूट में डेवलप की गई सोलर शुगरकेन सीड ट्रीटमेंट टेक्नोलॉजी का ट्रायल कुछ समय से शुगर मिलों में किया जा रहा

था। जब ट्रायल पूरी तरह से सफल हो गया तो इस मशीन को किसानों के लिए डेवलप कर दिया गया। इस टेक्नोलॉजी के यूज करने से किसानों की आय भी बढ़ेगी। अब शुगर मिल गन्ने से कई प्रोडक्ट बना रही हैं जिसका उन्हें सीधे फायदा मिल रहा है।

### और टेक्नोलॉजी डेवलप करें

कानपुर जॉन कमिश्नर सुभाष चन्द्र शर्मा ने भी इस टेक्नोलॉजी को देखा सोमवार को उन्होंने इस मशीन का लॉन्च कर दिया। टेक्नोलॉजी डेवलप करने वाली टीम में प्रो विनय कुमार प्रो संजय चौहान और डॉ. अशोक कुमार शामिल हैं। कमिश्नर ने शुगर साईंटिस्ट को बधाई देते हुए कहा कि अपना सफर यहीं मत खत्म करियेगा। टेक्नोलॉजी को जितना ज्यादा डेवलप किया जाएगा उसका फायदा आपके साथ किसान व देश को होगा। इस अवसर पर कमिश्नर ने नये सेमिनार रूम का लोकार्पण किया। डायरेक्टर ने आए हुए गेस्ट का आभार जताया।

## बीज को शोधित, रोगमुक्त से बढ़ेगी गन्ने की पैदावार

कानपुर, 23 अप्रैल। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर की ओर से विकसित सोलर शुगरकेन सीड ट्रीटमेंट यूनिट का मण्डलायुक्त सुभाष चंद्र शर्मा ने लोकार्पण किया। मण्डलायुक्त ने संस्थान में नवनिर्मित सेमिनार हॉल कक्ष का भी उदघाटन किया, जो कि अत्याधुनिक दृश्य एवं श्रव्य संसाधनों की सुविधाओं से युक्त है। कमिश्नर सुभाष चंद्र शर्मा ने कहा कि फार्मों के बंतीकरण एवं गन्ने की विभिन्न प्रजातियों के विकास के फलस्वरूप उ.प्र. में गन्ने का उत्पादन विगत वर्षों से काफी बढ़ा है। गन्ना उत्पादक देशों में कोलंबिया, ब्राजील और आस्ट्रेलिया की तरह गन्ने की उत्पादकता बढ़ाने हेतु और प्रयास किये जाने की आवश्यकता है। एनएसआई, निदेशक प्रो. नरेन्द्र मोहन ने

कहा कि गन्ने की अच्छी फसल के लिए स्वस्थ बीज बहुत ही आवश्यक है। यह तभी संभव है। जबकि बीज को खास तरीके से शोधित एवं अच्छी तरह से रोगमुक्त कर लिया जाये। तभी गन्ने की उत्पादकता बढ़ेगी। इससे किसानों की आय भी बढ़ेगी। इस प्रकार का तकनीकों में एक उच्च जल स्रोधन तकनीक भी कह सकते हैं। जिसमें गन्ने की बीज को 50 से 52 डिग्री सेल्सियस से दो से द्वाइ तक रख सकते हैं। जिससे गन्ने की कई बीमारियाँ तथा रेट सेट, विल्ट, कोका बोर्डिंग इत्यादि का उपचार हो जाता है। इस दौरान सहायक आचार्य विनय कुमार, सहायक आचार्य संजय चौहान, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. जाहर सिंह आदि मौजूद रहे।